Lectur No: - 28.

Topic,

① Right, good.

Dr. Sunita Kumari
Depat. of philosophy
B.A part - II
paper - (5.)
A.N.D. College Shahpur
patory, Samastipur

Ans :- 'Right' शब्द एक लैटिन शब्द 'Rectus' से व्युत्पन्न हुआ है। जिसका अर्थ सीधा अथवा नियमानुकूल होता है। 'Wrong' शब्द शब्द की 'Wring' से हुई है, जिसका अर्थ घुमा हुआ अथवा नियम के प्रतिकूल। अतः किसी नियम के अनुकूल रहने पर उसे उचित कहेंगे और प्रतिकूल रहने पर उसे हम

अनुचित कहेंगे। स्वभाविक रूप से उचित, जहाँ शुभ की प्राप्ति में सहायक होंगे वहीं अनुचित अशुभ की प्राप्ति मे सहायक होंगे। हम किसी भी आचरण को उचित या अनुचित यूं ही नहीं घोषित करते हैं, ऐसा नहीं कहा जा सकता है।

P.T.O.

कि ये नैतिक नियम शाश्वत होते हैं। बल्कि ये नियम देश, काल और संदर्भ (space and time) के अनुसार, परिवर्तित होते रहते हैं।

उचित और अनुचित तथा शुभ और अशुभ का सम्बन्ध कर्म से है।

सिजविक जैसे विचारक ने उचित को आत्मगत और वस्तुगत दो कोटि में बाँटा है। जो चीज मात्र कर्ता के अनुसार उचित हो, उसे आत्मनिष्ठ उचित कहा जाएगा और जो क्रिया दूसरों की दृष्टि में भी उचित हो, उसे वस्तुनिष्ठ उचित कहा जाएगा। स्वभाविक है।

'Good' एक अत्यंत ही मौलिक (नैतिक) प्रत्यय है और जिसका प्रयोग भी हम नैतिक आचरण के मूल्यांकन के साथ ही साथ कभी कभी सर्वोच्च शुभ के लिए भी करते हैं। Good शब्द जर्मन शब्द 'Gut' से व्युत्पन्न

P.T.O.

Scanned with CamScanner

माना जाता है। जिसका अर्थ है:→ किसी उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक। अतः शुभ वह है जो हमें किसी लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक, यानी सहायता करता है।

इस शुभ का विलोम शब्द अशुभ है। अतः अशुभ वह है जो हमें लक्ष्य प्राप्ति में बाधा उपस्थित करता हो। एक ओर जहाँ शुभ को सामान्य स्वीकृति है, तो वहीं अशुभ को सामान्य तिरस्कार प्राप्त है और उसके लिए शुभ है।→

किन्तु यदि वहीं शोरगुल होता है तो वह उसके लिए अशुभ है, क्योंकि इससे उसका रोग घटने के बजाय बढ़ने लगता है।

इसी तरह करुणा, दया, क्षमा परोपकार आदि को भी शुभ माना जाता है। उसका कारण है कि इन्हें सामान्य स्वीकृति प्राप्त है। उसके विपरीत घृणा स्वार्थ की दृष्टि से अ.

END